भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1679

30 जुलाई, 2025 के लिए प्रश्न

डिपो दर्पण ई-पोर्टल

1679. श्रीमती पूनमबेन माडम:

डां. संजय जायसवाल:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने डिपो दर्पण ई-पोर्टल शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो उक्त पोर्टल के उद्देश्य और कार्यक्षमताएं क्या हैं;

(ग) भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) डिपो में उक्त पोर्टल के कार्यान्वयन से अनुमानित बचत और आय वृद्धि का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने एफसीआई और सीडब्ल्यूसी डिपो के मूल्यांकन के दौरान चिह्नित की गई अवसंरचनात्मक कमियों को दूर करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या सरकार ने निर्बाध डिजिटल निगरानी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए क्लोज्ड-सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) निगरानी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) सेंसर जैसी प्रोद्योगिकियों को एकीकृत किया है और यदि हां, तो इस प्रणाली के अंतर्गत निगरानी किए जाने वाले मापदंडों का ब्यौरा क्या है;

(च) उक्त प्रोद्योगिकियां किस प्रकार खाद्यान्न डिपो में वास्तविक समय निगरानी और बेहतर परिचालन दक्षता में योगदान करती है; और

(छ) क्या उक्त डिजिटल निगरानी प्रणाली से भंडारण दक्षता और सुरक्षा में मापनीय सुधार हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

...2/-

(क) से (ग): जी हाँ; डिपो दर्पण खाद्यान्न भंडारण डिपो के बुनियादी ढाँचे और प्रचालनात्मक दक्षता को बढ़ाने के लिए एक डिजिटल स्व-मूल्यांकन और निगरानी मंच है।

- गोदामों का मूल्यांकन दो मुख्य श्रेणियों के आधार पर किया जाता है:

  क) प्रचालनात्मक दक्षता (60% भारांक): अधिभोग, लागत मापक जैसे पारगमन/भंडारण हानि, हैंडलिंग लागत, विलंब शुल्क और जनशक्ति व्यय।
  ख) अवसंरचनात्मक दक्षता (40% भारांक): सुरक्षा, परिचालन, पर्यावरणीय और वैधानिक पहलुओं सहित।

- प्रत्येक श्रेणी का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन किया जाता है, और दोनों श्रेणियों के समग्र स्कोरिंग के आधार पर गोदाम को 5-स्टार रेटिंग प्राप्त होती है।
- इसका उद्देश्य गोदाम प्रबंधन, कार्य पद्धतियों, सुरक्षा मानकों, अवसंरचना, भंडारण स्थितियों और वित्तीय निष्पादन की स्थिति के स्व-मूल्यांकन हेतु एक तंत्र को संस्थागत रूप देना है, जिससे मौजूदा कमियों को दूर करने में सहायता मिलेगी।
- मोबाइल एप्लिकेशन, गोदामों की रेटिंग की निगरानी के लिए भारतीय खाद्य निगम/केंद्रीय भंडारण निगम/खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुँच प्रदान करता है।

प्रक्रिया की अक्षमताओं की पहचान करने और लक्षित हस्तक्षेपों को लागू करने के इस अभ्यास से एफसीआई के स्वामित्व वाले गोदामों में बचत होने और सीडब्ल्यूसी द्वारा संचालित खाद्यान्न गोदामों में अतिरिक्त आय उत्पन्न होने की संभावना है।

(घ) मूल्यांकन के दौरान चिह्नित अवसंरचनात्मक अंतरालों को एफसीआई और सीडब्ल्यूसी के पूंजीगत व्यय और वार्षिक मरम्मत और रखरखाव कार्यों में शामिल किया जाता है, जिसका लक्ष्य डिपो की रेटिंग को बढ़ाना है।

(ङ) विभाग ने गोदामों में स्मार्ट वेयरहाउसिंग प्रौद्योगिकियों पर एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की है, जिसमें खाद्यान्न भंडारण में सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक समय के आधार पर सीओ2 और फॉस्फीन के स्तर, आग के खतरों, आर्द्रता, अनधिकृत प्रवेश और तापमान जैसे प्रमुख मापदंडों की निगरानी के लिए सीसीटीवी निगरानी और आईओटी सेंसर शामिल हैं।

...3/-

(च) से (छ) सीसीटीवी और आईओटी प्रौद्योगिकियाँ निम्नलिखित को सुनिश्चित करके डिपो प्रचालन में बदलाव लाती हैं:-

क) वास्तविक समय दृश्यता
ख) समय पर हस्तक्षेप
ग) डाटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया
घ) सभी डिपो में मानकीकृत प्रचालन

ये प्रगति सुरक्षित, संरक्षित और कुशल खाद्यान्न भंडारण और वितरण सुनिश्चित करने में प्रत्यक्ष रूप से योगदान करती हैं।

*****